Madhepura College Madhepura Department of Education.

Teaching By — Prem Kumar
Subject — Learning and Teaching
Paper — 3rd
Unit — 2
Class — B.Ed. (1)

Topic — शिक्षण प्रक्रिया में मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों का प्रयोग —

1. अभ्यास का सिद्धान्त —
2. प्रभाव का सिद्धान्त —

1. अभ्यास के सिद्धान्त का प्रयोग निम्नलिखित रूप में किया है —

a. शिक्षक अभ्यास के लिए छात्रों को अधिक समय देता है तथा अभ्यास के उद्देश्य उस विषय में सही ज्ञान का अवसर प्रदान करता है तो छात्र अधिक सरलता से सीखते हैं।

b. शिक्षक को केवल अभ्यास करने के लिए बोलकर ही नहीं छोड़ देना चाहिए उसे समय-समय पर निरीक्षण तथा सुधार करते रहना चाहिए।

c. शिक्षक को पूर्व ज्ञान होना चाहिए और अभ्यास करना चाहिए

d. शिक्षक को सभी तथ्य प्रसिद्धि के व्यवहारों के आधार पर देना चाहिए।

e. आवश्यकतानुसार पाठ्य-सामग्री का जोड़ देना चाहिए।

Scanned with CamScanner

2. <u>प्रभाव का सिद्धान्त</u> -

शिक्षक को सन्तोषप्रद एवं असन्तोषप्रद वस्तुओं का ज्ञान होना चाहिए। जिससे शिक्षक शिक्षण कार्य को सही तथा रचनात्मक कार्य स्वीकृति तथा मान्यता देकर छात्रों को प्रेरित किया जा सकता है।

* शिक्षक को शिक्षण क्रिया के लिए भिन्न-भिन्न तरह से शैक्षणिक सूत्रों का प्रयोग करना चाहिए जो निम्नलिखित हैं —

क. सरल से जटिल की ओर।
ख. ज्ञात से अज्ञात की ओर।
ग. स्थूल से सूक्ष्म की ओर।
घ. अनिश्चित से निश्चित की ओर।
ङ. विशिष्ट से सामान्य की ओर।

* शिक्षक को छात्रों की सहायता के लिए अनेक प्रकार की प्रक्रियाएँ अपना कर शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावपूर्ण बना सकता है, जो निम्नांकित हैं —

(i) समुदाय की आवश्यकता।
(ii) छात्रों की योग्यताएँ तथा छात्रों का पूर्व ज्ञान।
(iii) छात्रों का आयु स्तर तथा मानसिक स्तर।
(iv) ऋतु तथा मौसम के अनुसार पाठ्यक्रम।
(v) सही और पूर्ण तकनीकी सूचनाएँ।

Scanned with CamScanner